Topic ..... Date .....

Yash College Of Education Rurkee (Rohtak)

2016-18

School Experiance Programme

Submitted to:-

Mrs. Monika Mam

Monika

Submitted by:-

Name - Rajbala

Class - D.Ed. Istdem

Roll No - 1

CLASSTIME

Title _____ Date _____ Page No. ____

INDEX

Sr. No.	Topic
1.	Meaning of SEP
2.	Planning of Teaching
3.	About the school.
4.	School Profile
5.	Observation Method.
6.	CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)
7.	Survey.
8.	Reflective Journal.
9.	Record Keeping
10.	Internal Assessment.

SEP

Topic ..... Date 1

Meaning of SEP

Meaning Of SEP :-

स्कूल अनुभव कार्यक्रम का प्रयोग सर्वप्रथम राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद द्वारा 1991 में किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रा अध्यापकों की समस्या का समाधान करना तथा उसके साथ - 2 विद्यालय की समय सारणी या विद्यालयों के कार्यक्रमों की जांच करना है। यह प्रोग्राम सर्वप्रथम 2003-04 में शिवाजी विश्वविद्यालय द्वारा अपनाया गया। स्कूल अनुभव प्रोग्राम के लिए यह अवधि एक से दस दिन हो सकती है। इस कार्यक्रम के दौरान छात्र अध्यापक विभिन्न विद्यालयों की जानकारी देते हैं तथा इसकी विभिन्न क्रियाओं के बारे में जानते हैं।

जैसे → समय सारणी का निर्माण करना व विभिन्न प्रकार के स्कूल संबंधित रिकार्ड की जानकारी प्राप्त करना। इस को सफल बनाने के लिए पूर्ण रूप से Programme विद्यालय और विद्यालय के कर्मचारियों तथा छात्रों पर निर्भर रहना पड़ता है जिस कारण छात्र-अध्यापक विभिन्न कौशलों में निपुण हो जाते हैं।

Designed
CLASSTIME

SEP 3

Topic .... Date ....

Planning Of Teaching

Designer

CLASSTIME

SEP 4

Planning Of Teaching :-

किसी भी काम की सफलता के लिए योजना बनाने की आवश्यकता पड़ती है क्योंकि योजनाबद्ध तरीके से किया गया काम हमेशा सफल होता है। जब बात शिक्षण की हो तो योजना बनानी जरूरी हो जाती है ताकि शिक्षण सुचारु रूप से पूर्ण हो सके।

शिक्षण प्रक्रिया की तीन मुख्य अवस्थाएँ हैं :->

1. Preactive Stage.
2. Interactive Stage.
3. Postactive Stage.

1. Preactive Stage :->

नियोजन शिक्षण की प्रथम अवस्था है जिसे Preactive Stage कहा जाता है। इसमें अध्यापक पहले Planning कर लेता है कि उसे क्या पढ़ाना है? कैसे पढ़ाना है? शिक्षण में कौन-सी विधि का प्रयोग करना है, कौन-सी सहायक सामग्री का प्रयोग करना है। इन सारी गतिविधियों को शिक्षण से पहले ही निश्चित तथा व्यवस्थित करना होता है। इसी लिए इसे Planning की Stage भी कहा जाता है।

Topic .... Date .... SEP 5

2. Interactive Stage :→ यह क्रियान्वयन की अवस्था होती है इस मे अध्यापक पढ़ाता है! इसमें अध्यापक वह पढ़ाता ~~है~~ जिस Stage की Planning की होती है!

3. Postactive Stage :→ इसे मूल्यांकन की Stage कहा जाता है! इसमे अध्यापक कक्षा से बाहर जा कर पहली Stage का मूल्यांकन करता है जो उद्देश्य उसने निर्धारित किए थे! उन्हें कहाँ तक प्राप्त किया गया है!

इन तीनों Stages को समझने व प्रयोग में लाने पर ही अच्छी Planning की जा सकती है! इसके बाद की गई Planning of Teaching काफी effective बनेगी व सभी उद्देश्यों को पूर्ण करने वाली बनेगी!

Topic .... Date SEP 6

About The School

स्कूल की Building बहुत अच्छी है ! स्कूल में 15 Room और 10 Teachers है ! स्कूल के कमरे हवादार है ! स्कूल में रोशनी का उचित प्रबंध है ! बच्चों के बैठने के लिए उचित स्थान व डेस्कों की विशेष व्यवस्था है ! कक्षा में उचित फर्नीचर जैसे अध्यापक की कुर्सियां, मेज, डेस्क की व्यवस्था है ! कक्षा - कक्ष में ब्लैक बोर्ड भी है ! School में Library भी है जिसमें अनेक प्रकार की ज्ञानवर्धक पुस्तकें हैं ! बच्चों को आकर्षित करने हेतु कहानियों वाली रंगीन पुस्तकें भी हैं ! स्कूल में Playground भी है, जहाँ पर खो-2 बैडमिन्टन खेला जा सकता है !

CO-CURRICULAR ACTIVITY :->

पाठ्य सहगामी क्रियाओं में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया जाता है ! 15 अगस्त पर चित्रकला प्रतियोगिता, Annual fungtion पर Fancy Dress Competition होता है !

बच्चे सुबह Assembly में News, Poems, Thoughts, GK Quiz प्रदर्शित करते हैं !

Designer CLASSTIME

Topic ..... Date ..... SEP 7

School Profile

Name of School → Govt. Girls Sr. Sec. School
Address → Farmana (Sonipat)
No. of Rooms → 15 (in Primary Section)
No. of Teachess → 10
Assembly Time → 8:00 - 8:15
Assembly Activity → Children's → Poems, G.K. Ques, Speeches.
Teacher's → Speeches About Discipline And Moral Speeches.
Recess → 12:00 - 12:35
Period Time → 35 minutes
Toilets → Yes, 2 for Girls, 1 for Boys.

Staff Room → Yes.
Drinking Water → Yes.
Benches → Yes. 200
Sports Activity → There is also facility of games like → Kho-Kho, Badminton, Cricket etc.

Drawing Material → Just use in Students work.

Designer CLASSTIME

Topic .... Date SEP 8

COMPUTERS :→

विद्यालय में 23 कम्प्यूटर हैं। जो High Section के अंदर है। इनमें से एक ऑफिस वर्क के लिए है तथा 22 छात्रों के लिए हैं।

MID DAY MEAL :→

स्कूल में मध्याह्न भोजन व्यवस्था प्राथमिक व द्वितीय स्तर तक है। अब इसमें बच्चों 200 ml दूध देने का प्रावधान भी किया गया है जो काफी उचित है।

TEACHER STUDENT INTERACTION :→

अन्तः क्रिया के द्वारा एक अध्यापक की कार्यकुशलता, शिक्षण का अनुमान लगाया जा सकता है। अन्तः क्रिया द्वारा ही प्रभाव का पता लगाया जा सकता है। यह जानने के लिए कि बच्चे ने कितना सीख लिया है एक अध्यापक अन्तः क्रिया का ही प्रयोग करता है। शिक्षक का Teaching के दौरान कक्षा व्यवहार का पता लगाना क्रिया विश्लेषण के नाम से जाना जाता है। जिसके द्वारा अध्यापक स्वयं व कक्षा का मूल्यांकन कर सकता है।

TEACHING AIDS PROVIDE BY SCHOOL :→

स्कूल में बच्चों की शिक्षा को रुचिकर व आसान बनाने के लिए नई-२ तकनीकों का प्रयोग किया जाता है। इस स्कूल में बच्चों द्वारा उनके विषय से संबंधी फिल्म व कहानियाँ दिखाई जाती हैं। अधिक पहचान करने हेतु चार्ट्स व मॉडलों का प्रयोग किया जाता है। उनके लिए स्मार्ट क्लास लगाई जाती हैं।

OBSERVATION METHOD :→

अवलोकन विधि में कानों अथवा वाणी की अपेक्षा अध्ययनकर्ता क्षेत्र का अधिक प्रयोग करता है। सरल अर्थ में किसी विशिष्ट उद्देश्य को ध्यान में रखकर कार्यों तथा व्यवहार को देखना। इस विधि के द्वारा अध्यापक छात्र के व्यवहार को स्वाभाविक रूप से देखता रहता है तथा व्यवहार संबंधी बातें नोट करता रहता है। इस विधि का प्रयोग बालकों के व्यवहार के अध्ययन में होता है। इस विधि द्वारा बालकों को वास्तविक कक्षा में व्यस्त देखकर उनकी रुचियों, भावनाओं, तथा व्यवहार की मीठी-२ बातों का पता लगाया जाता है। इस विधि द्वारा यह पता लगाया जाता है कि किस हद तक बच्चा अनुशासन में रहता है।

अवलोकन विधि के प्रकार हैं :→

i) औपचारिक ii) अनौपचारिक

Designer CLASSTIME

(i) औपचारिक विधि :→

इस विधि के अंतर्गत छात्र को इस बात का पता होता है कि उसके व्यवहार पर अध्ययन हो रहा है इसलिए इस विधि में बच्चो की अस्वाभाविक व्यवहार होने की आशंका रहती है।

(ii) अनौपचारिक विधि :→

इस विधि में छात्र को यह पता नहीं होता कि उनके व्यवहार पर अध्ययन हो रहा है। इसलिए बच्चे अपने व्यवहार में सहज बना रहता है

अवलोकन के गुण :→

(1) अवलोकन के द्वारा बच्चे के वास्तविक व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। अतः यह विश्वसनीय या वस्तुनिष्ठ होता है।

(2) इस विधि का प्रयोग अध्यापक सफलतापूर्वक कर सकता है।

(3) यह छोटे बच्चों का अध्ययन करने की उत्तम विधि है। क्योंकि छोटे बच्चो का आत्मविश्वास पूर्ण विकसित नहीं होपाता कि उसका स्वभाव नियंत्रित हो सके इसलिए बच्चो का अध्ययन करने हेतु यह उत्तम विधि है।

(4) इससे छात्र व समूह का अवलोकन हो सकता है। साथ ही एक गुण व अनेक गुणो का अध्ययन संभव है।

Topic ______ Date SEP 11

अवलोकन के अवगुण :→

(1) इस विधि के द्वारा अध्यापक छात्र के व्यवहार से कुछ ही पहलुओं को जान पाता है। इस विधि के अन्दर कुछ पहलू छिपे हुए ही रह जाते हैं।

(2) अवलोकन विधि के अंतर्गत पर्याप्त समय न होने के कारण इसमें विश्वसनीय क्षमता कम हो जाती है क्योंकि कम समय में अध्यापक कम ही पहलुओं को नोट कर सकता है।

15/9/17

Designer

CLASSTIME